Title: Need for inter-linking of major rivers in the country .

श्री कुलदीप बिश्नोई (भिवानी) : अध्यक्ष महोदय, देश के विभिन्न भागों में मौसम के अलग अलग मिजाज के कारण जहां एक ओर हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, उड़ीसा, राजस्थान, गुजरात और आंध्र प्रदेश में मानसून के देरी से पहुंचने के कारण भयंकर सूखा पड़ा तथा किसानों द्वारा खरीफ की बुवाई के लिए बीज, खाद आदि पर किया गया खर्च बेकार हो गया। वहीं दूसरी ओर असम, बिहार में आयी बाढ़ के कारण किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। यदि नदियां एक दूसरे से जुड़ी होतीं तो असम और बिहार में आयी बाढ़ के पानी को सूखाग्रस्त राज्यों की ओर मोड़ा जा सकता था, जिससे पूरे देश में जनता को बाढ़ के कारण हुए भारी जान माल के नुकसान से ही नहीं बचा जा सकता था अपितु सूखाग्रस्त राज्यों में किसानों की फसल को भी बचाया जा सकता था।

जैसा कि हमारे माननीय राट्रपति जी ने स्वतंत्रता की पूर्व संध्या पर दिए गए अपने भााणा में कहा था, देश में जल प्रबंधन के लिए विशेा उपाय किए जाने चाहिए। जैसे ब्रह्मपुत्र और कोशी नदियों के रास्ते में विभिन्न स्तरों पर बाढ़ का पानी एकत्रित करने के लिए परतदार कुएं (Layered Wells) का निर्माण किया जाना चाहिए, जिससे बाढ़ की भीाणता में कमी लाने के साथ ही साथ भूमिगत जल का स्तर भी ऊंचा उठेगा। हालांकि कुछ समय पूर्व नदियों का एक दूसरे से जोड़े जाने की दिशा में कुछ प्रयास किए गए थे, परन्तु अभी तक इस दिशा में कोई भी गंभीर पहल नहीं की गयी है।

अतः इस माननीय सदन के माध्यम से मैं सरकार से अपील करता हूं कि वह समूचे देश की नदियों को एक-दूसरे से जोड़े जाने की ज़रूरत को समझे तथा इस दिशा में ठोस कदम उठाए तथा साथ ही साथ पूरे देश में वर्ाा जल के संरक्षण हेतु उपाय करें ताकि बाढ़ की भीाणता में कमी लाने के साथ साथ भूमिगत जल का स्तर ऊंचा उठाया जा सके।